



Hargharpanditji

॥ नवरात्रि का महत्व और उद्देश्य ॥
जय माता दी!

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ नवरात्रि का महत्व और उद्देश्य ॥

नवरात्रि हिंदू धर्म के प्रमुख और पवित्र पर्वों में से एक है। यह पर्व आदि शक्ति मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की उपासना को समर्पित है। 'नवरात्रि' का अर्थ है—नौ रात्रियां, जिनमें भक्त श्रद्धा, उपवास, पूजा, मंत्र-जाप और साधना के माध्यम से देवी शक्ति की आराधना करते हैं।

नवरात्रि का महत्व
मां दुर्गा की आराधना

नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों—शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री—की पूजा की जाती है।
शक्ति और साहस का पर्व

देवी दुर्गा को शक्ति, साहस और विजय का प्रतीक माना जाता है।
नवरात्रि व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों का सामना धैर्य और आत्मविश्वास से करने की प्रेरणा देती है।
अधर्म पर धर्म की विजय

नवरात्रि बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देती है। यह पर्व हमें अहंकार, क्रोध, लोभ और नकारात्मकता को त्यागने की प्रेरणा देता है।
आध्यात्मिक साधना का अवसर

इन नौ दिनों में व्रत, ध्यान, मंत्र-जाप, देवी पाठ और पूजा के माध्यम से मन को एकाग्र करने तथा आत्मचिंतन करने की परंपरा है।

नवरात्रि का उद्देश्य

नवरात्रि का मुख्य उद्देश्य आदि शक्ति की आराधना के माध्यम से मन, विचार और कर्मों की शुद्धि करना है। यह पर्व व्यक्ति को अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने और जीवन में सकारात्मकता, संयम एवं सदाचार अपनाने का संदेश देता है।

नवरात्रि के नौ दिन हमें अपने भीतर के अलग-अलग गुणों को जागृत करने की प्रेरणा देते हैं—श्रद्धा, तप, धैर्य, करुणा, साहस, विवेक, आत्मसंयम और आत्मविश्वास।

नवरात्रि का आध्यात्मिक संदेश

“जब मनुष्य अपने भीतर की नकारात्मकता पर विजय प्राप्त करता है, तब उसके भीतर की शक्ति जागृत होती है।”

इसलिए नवरात्रि केवल देवी की बाहरी पूजा का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर की शक्ति को पहचानने, आत्मशुद्धि करने और सकारात्मक जीवन की ओर बढ़ने का अवसर भी है।

Hargharpanditji

PUTA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR